Reference to a Demand to declare Dr. Rajmdra Prasad's House in Chapra District as National Monument

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, 3 दिसम्बर, 1984 को देश के स्वतंत्रता संग्राम से अग्रणी सेनानी, देश की संविधान सभा के सभापति और इस देश के दो बार राष्ट्रपति डा० राजेन्द्र प्रसाद जी का जन्म बिहार के जीरादेई जनपद में हुआ था। जीरादेई जनपद पहले बिहार के छपरा-सारन जिले में था और अब वह सीवान जनपद में हैं। डा० राजेन्द्र प्रसाद जब जेल में थे तो '42 से' 45 के बीच में उन्होंने अपनी आत्मकथा लिखी थी राष्ट्रभाषा हिन्दी में, जिसका अनुवाद बाद में अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में हुआ। डा० राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में चर्चा करते हुए इस बात का जिक्र किया हैं उनके पूर्वज पहले उत्तर प्रदेश में एक पश्चिमी जिला हैं अमरोहा, वहां के रहने वाले थे, बाद में उसके कुछ लोग उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में चले गए और बलिया से उनकी शाखा बिहार में जीरादेई चली गई और वहीं पर 3 दिसम्बर, 1884 को उनका जन्म हुआ। अपने मकान के बारे में डा० राजेन्द्र प्रसाद जी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है --

"It was in Zeradei on December 3, 1884 that I was born. Ours was **a** strongly built, old fashioned house with la courtyard inside land with xrooms and veran'dahs all around. "

माननीय उपसभापति जी, डा० राजेन्द्र प्रसाद का मकान, जिसमें राष्ट्रीय नेताओं सहित महात्मा गांधी भी गए हैं, अब खंडहर की हालत में हैं। उसकी चर्चा धर्मयुग में भी की गई हैं हाल के अंक में। मैं आपके माध्यम से उसका उद्धरण सदन के समक्ष देना चाहूंगा--"जिस पुश्तैनी घर में राजेन्द्र बाबू का जन्म हुआ वह घर संपन्नता और खानदानी प्रतिष्ठा का प्रतीक था। उतने बड़े क्षेत्र-फल में दोमंजिले घर उस जमाने में राजे-रजवाड़ों तथा बड़े जमींदारों के ही बनते थे। आज वही मकान धीरे-धीरे ध्वस्त हो रहा हैं। ... ऊपरी मंजिल के कमरे टूट कर गिर रहे हैं। खासकर पहली मंजिल का दक्षिण पश्चिमी कोने का कमरा जो कभी पुस्तकालय था, टूट कर गिर गया हैं और उसकी अलमारी बाहर से साफ दिखायी पड़ती है। इसी पश्चिमी भाग में महात्मा गांधी 1927 में ठहरे थे।... इस दक्षिणी भाग की हालत भी खराब है, यह भी जगह-जगह से टूट रहा है, खपड़े गिर रहे हैं, देखकर लगता है कि कुछ दिनों में दीवारें भी गिर जायेंगी। ... राजेन्द्र बाबू का पैतृक गृह, जो जीरादेई का प्राण है, उसकी आत्मा है तथा उसकी गरिमा का प्रतीक हैं, अब अंतिम सांसे ले रहा है।

तो माननीय उपसभापति जी, मैंने इसलिए सदन का ध्यान आकृष्ट किया कि राजेन्द्र बाबू इस देश की आत्मा थे और जब उनकी शक्ल देखिए, चाहे चित्रों में या उनको स्वयं तो यह लगता था कि भारत के जो 90 प्रतिशत कृषक हैं, ग्रामीण इलाके के लोग हैं, उनका प्रतिनिधित्व वह करते थे। इसलिए मैं पुनः दोहराऊंगा कि वह भारत की आत्मा थे, लेकिन यह दुख का विषय है कि राजेन्द्र बाबू का पैतृक मकान इस दुर्दशा की हालत में पहुंच गया है। जबकि अन्य नेताओं के नाम पर हम स्मारक बनाते हैं, एक नहीं, सैंकड़ों स्मारक बनाते हैं, मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि भारत सरकार और बिहार सरकार इस ओर ध्यान दें। भारत सरकार एवं बिहार सरकार का दायित्व है कि राजेन्द्र बाबू के इस पुश्तैनी मकान को राष्ट्रीय संपत्ति एवं ऐतिहासिक स्मारक घोषित कर इसका जीर्णोद्धार करायें। साथ ही इस को सुन्दर बना कर इस को सरकारी संरक्षण प्रदान किया जायें। माननीय राजेन्द्र बाबू के जन्म स्थान का आदर कर के, उस को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर के सारा राष्ट्र अपना ही सम्मान करेगा और इसलिये मुझे पूरी आशा और विश्वास हैं कि आज जैसे सारा राष्ट्र उन का जन्म-दिवस मना रहा हैं, मेरी

[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

इस मांग को भारत सरकार और बिहार सरकार भी स्वीकार करने की कृपा करेगी।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव (बिहार) : मैं भी इस प्रस्ताव का सहर्ष समर्थन करता हूं। देश रत्न डा० राजेन्द्र प्रसाद के जन्म स्थान को भारत सरकार राष्ट्रीय स्मारक के रूप में स्वीकार करे और उसको उच्च कोटि का स्मृति चिन्ह बनाया जाय यह मेरी आकांक्षा है।

श्री वी० सत्यनारायण रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश) : मैं भी इस का समर्थन करता हूं।

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश) : मैं भी इस का समर्थन करता हूं।

ठाकुर जगतपाल सिंह (मध्य प्रदेश) : मैं भी इस का समर्थन करता हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN; All the names will be included as associate Members.

REFERENCE TO THE NEED TO ESTABLISH A VANASPTI PLANT AT BALASORE IN ORISSA

SHRI BASUDEB MOHAPATRA (Orissa): Madam Deputy Chairman, I draw the attention of the Government through you for establishment of a vanaspati plant at Balasore in the State of Orissa. The State Government has taken the initiative to set up this plant in Balasore District which is known as non-industry district in the State. The total cost of this plant would b$_e$ about Rs. 6 crores. The project report was prepared and submitted to the N. C. D. C. C. for approval. After establishment of this project, it will rehabilitate the displaced persons of defence project to be situated at Baliapal.

The Ministry of Food and Civil Supplies (has to issue the letter of intent which is awaited. Importance has been attached to the project only due to taking up of the rehabilitation schemes. The local people are anxiously waiting to see that this plant would accommodate most of the displaced **personnel.**

The N. C. D. C. should give **top** priority in sanctioning the project. In spite of several remiders issued by the State Government, no action has **heen taken** by **the N. C. D. C.** to accord approval.

I would request the Government to instruct the N. C. D. C. to be liberal in sanctioning the project and to see that the vanaspati plant is established as early as possible. Thank you, Madam.

Papers laid on the Table

THE **DEPUTY** CHAIRMAN: Before I call other Members, I ask the Minister of Human Resource Development to lay papers on the Table.

I Report (1985-86) **of the Regional Institute of Technology, Jamshedpur and related papers.**

H. Rteport (1985-86) Sardar Vallabhbhal Regional College of Engineering and Technology, Surat and related papers.

HI. Accounts (1985-86) **of the Regional Engineering College, Rourkela and Kuniksherra and related papers.**

IV. Report ana Audited Account (1985-**86) of the Technical Teachers' Training Institute (Northern Region), Chandigarh and related** papers.

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT AND MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): Madam, I beg to lay on the Table: —

I. A copy each (in English and Hindi) of the following papers: —

(i) (a) Annual Report of the Regional Institute of Technology, Jamshedpur, for the year 1985-86.

(b) Review by Government on the working of the institute.

[Placed in Library. *See* No. LT-3471/86].

(ii) (a) Annua! Report of the Sardar Vallabhbhai Regional College of Engineering $_a$nd Technology, Surat, **for** the year 1985-86.